UNIVERSITY OF JAMMU
PAPER FOR SANSKRIT (CBCS), U.G (PROG.)

Course No. USATC 301	**SEMESTER – 3rd**	**M.Marks – 100**
Credit – 06	**SANSKRIT**	**a) Sem. Exam. – 80**
Time – 2:30 hrs		**b) Sessional Exam – 20**

Syllabus for the Examination to be held in Dec. 2017, 2018, 2019

Title – संस्कृत गद्य, पद्य एवं साहित्य का इतिहास

भाग – क

Unit – I

निम्नलिखित विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। [3x5=15]

मूर्खजन, विद्वान्, स्वाभिमान, अर्थ, दुर्जन, सज्जन, धैर्य, देव, कर्म, श्रृंगारशतक, वैराग्यशतक, नीतिशतक, गुरु–शिष्य परम्परा, राष्ट्र के प्रति प्रेम, पारिवारिक वातावरण तथा काश्मीर के काव्यकारों के नाम।

(10 प्रश्नों में से 5 प्रश्न पूछे जायें।)

भाग – ख

Unit – II (Part A) 'संस्कृत गद्यसंकलन'' के अधोलिखित अध्याय –

(i) आचार्यानुशासनम्

(ii) वासन्ती

(iii) शिववीरस्यराष्ट्रचिन्तनम्

(iv) मातङ्गदारिका परिव्राजनम्।

(4 गद्याशों में से किन्हीं 2 का अनुवाद) । [7x2=14]

(Part B) 'नीतिशतकम्' मुक्तक काव्य (श्लोक 1–60)

(4 में से किन्हीं 2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या) [7x2=14]

Unit – III

श्रीराम गीता अध्यात्म रामायण, उत्तरकाण्ड

श्लोक संख्या (24 में से 01 श्लोक की सप्रसंग व्याख्या) [7x1=7]

भाग – ग

Unit – IV

(i) मुक्तक काव्य का लक्षण महत्त्व एवं भेद।

(ii) भर्तृहरि का साहित्यिक परिचय।

(iii) भर्तृहरि के नीतिशतक में प्रतिविम्बित तत्कालीन समाज।

(iv) नीतिशतक से प्राप्त होने वाली शिक्षाओं का विवरण। [15x1=15]

Unit – V

(i) गद्यकाव्य की उत्पत्ति और विकास।

(ii) बाणभट्ट गद्यकार के रूप में।

(iii) दण्डी गद्यकार के रूप में।

(iv) अम्बिकादत्त व्यास का साहित्यिक परिचय। [15x1=15]

Note for Paper Setting :

प्रश्नपत्र में तीन भाग (क,ख,ग) होंगे जिस में पाँच इकायाँ (Unit I, II, III, IV, V) हैं। प्रत्येक इकाई अनिवार्य है एवं प्रश्नों में 100% प्रतिशत विकल्प दिये जाएगें।

प्रथम भाग–क में 3,3 अंकों के पाँच प्रश्न पूछे जाएगें। भाग–ख में 7,7 अंकों के पाँच प्रश्नों होगें और भाग–ग में 15,15 अंकों के दो प्रश्न पूछे जाएगें।

Books Recommended :

1. संस्कृत गद्यसंकलन – सम्पादिका प्रो० वेद कुमारी घई।
2. नीतिशतकम् – प्रकाशक – साहित्य पुस्तक भण्डार मेरठ, प्रकाशक – मोलीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय।
4. संस्कृत साहित्य की रूपरेखा – डॉ० चन्द्रशेखर पाण्डेय।

UNIVERSITY OF JAMMU
PAPER FOR SANSKRIT (CBCS), U.G (PROG.)
SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

Course No. : USATS 302 **SEMESTER – 3rd** **M.Marks – 100**
Credit – 04 **SANSKRIT** **a) Sem. Exam. – 80**
Time – 2:30 hrs **b) Sessional Exam – 20**

Syllabus for the Examination to be held in Dec. 2017, 2018, 2019

Title – BASIC ELEMENTS OF JYOTISHA

भाग – क

Unit – I

निम्नलिखित विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

सप्तवार एवं नवग्रहों के नाम लिखें। 27 नक्षत्रों के नाम लिखें। द्वादश राशियों के नाम लिखें। नवग्रहों के नव रत्नों के नाम लिखें। द्वादश भावों के नाम लिखें। माङ्गलिक भाव कौन–कौन से हैं? बुधादित्य योग क्या हैं। सूर्यादि नवग्रहों की उच्चराशि लिखें। सूर्यादि नवग्रहों की नीच राशि लिखें। सूर्यादि नवग्रहों के स्वग्रहस्थ स्थान कौन से हैं? शुभाशुभ वार कौन से हैं? तिथियों के नाम लिखें। पंचक नक्षत्रों में वर्जित कार्य। यज्ञोपवीत मुहूर्त। गर्भाधान मुहूर्त। वर वरण (तिलक) मुहूर्त।

(10 प्रश्नों में से 5 प्रश्न पूछे जायें।) [3x5=15]

भाग – ख

Unit – II (Part A) वृहदवकहडाचक्रम्

(v) वारादि प्रकरणम्

(vi) नक्षत्र प्रकरणम्

(vii) राशि प्रकरणम्

(viii) मुहूर्त प्रकरणम्

(4 गद्यांशों में से किन्हीं 2 श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या)। [7x2=14]

(Part B) वृहदवकहडाचक्रम्

(i) विवाहप्रकरणम्

(ii) यात्राप्रकरणम्

(iii) द्विरागमनप्रकरणम्

(iv) मिश्रप्रकरणम्

(4 में से किन्हीं 2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या एवं अनुवाद)। [7x2=14]

Unit – III

(v) जन्मकुण्डली का सामान्य परिचय।

(vi) नवग्रहों का संक्षिप्त परिचय।

(vii) नवग्रहों के उच्च, नीच, स्वग्रहस्थ स्थान एवं शत्रु–मित्र, सम संज्ञा विवरण।

(viii) नवग्रह और उनके रत्न–उपरत्नों का संक्षिप्त परिचय। [7x1=7]

भाग – ग

Unit – IV

(i) ज्योतिष शास्त्र का उद्‌भव एवं विकास।

(ii) होरा स्कन्ध (जातकशास्त्र) का परिचय।

(iii) सिद्धान्त स्कन्ध (गणित शास्त्र) का परिचय।

(iv) संहिता स्कन्ध का सामान्य परिचय। [15x1=15]

Unit – V

(v) भारतीय ज्योतिष की परिभाषा एवं महत्त्व।

(vi) द्वादश भावों का सामान्य परिचय।

(vii) सूर्य से सम्बन्धित बनने वाले योगों का परिचय।

(viii) मांगलिक दोष एवं मंगल दोष निवृत्ति के उपाय। [15x1=15]

Note for Paper Setting :

प्रश्नपत्र में तीन भाग (क,ख,ग) होंगे जिस में पाँच इकायाँ (Unit I, II, III, IV, V) हैं। प्रत्येक इकाई अनिवार्य है एवं प्रश्नों में 100% प्रतिशत विकल्प दिये जाएगें।

प्रथम भाग–क में 3,3 अंकों के पाँच प्रश्न पूछे जाएगें। भाग–ख में 7,7 अंकों के पाँच प्रश्नों होगें और भाग–ग में 15,15 अंकों के दो प्रश्न पूछे जाएगें।

Books Recommended :

5. वृहदवकहडाचक्रम् – श्री शिव प्रसाद शर्मा, न्यू भारतीय बुक कारपोरेशन, जवाहर नगर दिल्ली।
6. जन्मकुण्डली एवं सूर्य – डॉ० राजेश शर्मा।
7. जातकालंकार – पं० जगन्नाथ शास्त्री।
8. ग्रहलाधवम – डॉ० रामचन्द्र पाण्डेय।
9. नवग्रह और ज्योतिष – पं० राजेन्द्र शर्मा
10. बृहत्संहिता – डॉ० नागेन्द्र पाण्डेय

UNIVERSITY OF JAMMU
PAPER FOR SANSKRIT (CBCS), U.G (PROG.)

Course No. USATC 401	**SEMESTER – 4th**	**M.Marks – 100**
Credit – 06	**SANSKRIT**	**a) Sem. Exam. – 80**
Time – 2:30 hrs		**b) Sessional Exam – 20**

Syllabus for the Examination to be held in May 2018, 2019, 2020

Title – श्रीमद्भगवदगीता, भाषा विज्ञान एवं व्याकरण

भाग – क

Unit – I

निम्नलिखित विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। [3x5=15]

भाषा की परिभाषा, भाषा विज्ञान का महत्त्व, भाषा के विभिन्न रूप, विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम्, संस्कृत शब्द का अर्थ एवं महत्त्व, कृदन्त प्रत्यय, उपपद विभक्तियाँ, वाच्य–परिवर्तन, कर्मयोग, सांख्य योग, श्रीकृष्ण का अर्जुन को उपदेश, गीता के दूसरे अध्याय का सार, कृष्ण अर्जुन संवाद तथा गीता का महत्त्व।

(10 प्रश्नों में से 5 प्रश्न पूछे जायें।)

भाग – ख

Unit – II

भगवद्गीता – द्वितीय अध्याय

(4 में से किन्हीं 2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या) [7x2=14]

Unit – III

व्याकरण

(ix) कृदन्त प्रत्यय – शतृ, शानच्, क्त, अनीयर्, क्त्वा, तुमुन। [7x1=7]

(x) डपपद विभक्तियाँ [7x1=7]

(xi) वाच्य परिवर्तन – कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य। [7x1=7]

भाग – ग

Unit – IV

निबन्ध – संस्कृत में

(v) संस्कृत भाषायाः महत्त्वम्।

(vi) विद्यायाः महत्त्वम्।

(vii) यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता।

(viii) संगणकः क्रान्ति।

[15x1=15]

Unit – V

भाषा विज्ञान

(ix) प्राचीन भारतीय आर्य भाषाओं की विशेषताएँ।

(x) वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में अन्तर।

(xi) मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाओं – पालि–प्राकृत की विशेषताएँ। [15x1=15]

Note for Paper Setting :

प्रश्नपत्र में तीन भाग (क,ख,ग) होंगे जिस में पाँच इकायाँ (Unit I, II, III, IV, V) हैं। प्रत्येक इकाई अनिवार्य है एवं प्रश्नों में 100% प्रतिशत विकल्प दिये जाएगें।

प्रथम भाग–क में 3,3 अंकों के पाँच प्रश्न पूछे जाएगें। भाग–ख में 7,7 अंकों के पाँच प्रश्नों होगें और भाग–ग में 15,15 अंकों के दो प्रश्न पूछे जाएगें।

Books Recommended :

11. भगवद्गीता – गीताप्रेस गोरखपुर।

12. वैदिक साहित्य की रूपरेखा – डॉ० कर्ण सिंह।

13. वैदिक साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय।

14. सुबोध संस्कृत व्याकरण – डॉ० चक्रधर विष्ट।

15. अनुवाद चन्द्रिका – डॉ० चक्रधर नॉटियाल।

UNIVERSITY OF JAMMU
PAPER FOR SANSKRIT (CBCS), U.G (PROG.)
SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

Course No. : USATS 402 **SEMESTER –4th** **M.Marks – 100**
Credit – 04 **SANSKRIT** **a) Sem. Exam. – 80**
Time – 2:30 hrs **b) Sessional Exam – 20**

Syllabus for the Examination to be held in May 2018, 2019, 2020

Title – INDIAN ARCHITECTURE SYSTEM

भाग – क

Unit – I

निम्नलिखित विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

वास्तुशास्त्र की परिभाषा। वास्तुशास्त्र के प्रमुख आचार्यों के नाम। वास्तुशास्त्र के प्रमुख ग्रन्थों के नाम। वास्तुशास्त्र में पृथ्वी का स्थान। वास्तुशास्त्र में जल की परिभाषा। वास्तुशास्त्र में तेज का महत्त्व। वास्तुशास्त्र में वायु की उपयोगिता। वास्तुशास्त्र में आकाश का महत्त्व। वास्तुशास्त्र के अनुसार गृह आरम्भ में शुभाशुभ तिथियाँ। वास्तुशास्त्र के अनुसार गृह आरम्भ में शुभाशुभ वार। वास्तुशास्त्र के अनुसार गृह आरम्भ में शुभाशुभ नक्षत्र। वास्तुशास्त्र का महत्त्व। वास्तु का ज्योतिष के साथ सम्बन्ध। रसोई घर का स्थान वास्तुशास्त्रानुसार। पूर्व दिशा एवं वास्तुशास्त्र।

(10 प्रश्नों में से 5 प्रश्न पूछे जायें।) [3x5=15]

भाग – ख

Unit – II (Part A) 'मत्स्यमहापुराण' अध्याय –252–253

प्रासादभवनादीनांनिर्माणवर्णनम् एवं 'गृहनिर्माणकालवर्णनम्')

(4 में से किन्हीं 2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या एवं अनुवाद)। [7x2=14]

(Part B) 'मत्स्यमहापुराण' अध्याय – 255–256

'स्तम्यमाननिर्णयवर्णनम्' एवं 'भवन निर्माण वर्णनम्'

(4 में से किन्हीं 2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या एवं अनुवाद)। [7x2=14]

Unit – III

(xii) वास्तु की परिभाषा एवं महत्त्व।

(xiii) वास्तुशास्त्र में पंचतत्त्वों का स्थान।

(xiv) वास्तुशास्त्र में दिशाओं का महत्त्व।

(xv) वास्तु और ज्योतिष का परस्पर सम्बन्ध। [7x1=7]

भाग – ग

Unit – IV

(i) भूमि परीक्षा – वर्णानुसार, स्वादानुसार, स्पर्शानुसार।

(ii) आवास योग्य भूखण्ड (Plot) का चयन।

(iii) वास्तु–पुरुष का संक्षिप्त परिचय।

(iv) वास्तु समस्त दिशाओं में विभिन्न कक्षों का निर्माण। [15x1=15]

Unit – V

(xii) गृहारम्भ एवं गृह प्रवेश में शुभाशुभ तिथि, वार, नक्षत्रादि।

(xiii) गृह में सुख–समृद्धि के लिए वास्तुशास्त्रीय निर्देश।

(xiv) व्यावसायिक संस्थानों के लिए उन्नतिकारक वास्तु सम्मत उपाय।

(xv) औद्योगिक क्षेत्रों के लिए वास्तुशास्त्रीय निर्देश। [15x1=15]

Note for Paper Setting :

प्रश्नपत्र में तीन भाग (क,ख,ग) होंगे जिस में पाँच इकायाँ (Unit I, II, III, IV, V) हैं। प्रत्येक इकाई अनिवार्य है एवं प्रश्नों में 100% प्रतिशत विकल्प दिये जाएगें।

प्रथम भाग–क में 3,3 अंकों के पाँच प्रश्न पूछे जाएगें। भाग–ख में 7,7 अंकों के पाँच प्रश्नों होगें और भाग–ग में 15,15 अंकों के दो प्रश्न पूछे जाएगें।

Books Recommended :

16. भारतीय वास्तुशास्त्र – डॉ० शुकदेव चतुर्वेदी।

17. 'गृह–निर्माण' वास्तु एवं ज्योतिष के सन्दर्भ में – डॉ० मोहिन्दर नाथ शर्मा।

18. मत्स्यमहापुराण – सम्पादक–डॉ० श्रद्धा शुक्ला, नाग पब्लिशर्स दिल्ली।

19. मत्स्यमहापुराण – सम्पादक–कालीचरण गौड़, चौखम्बा विभाग वन वाराणसी।